एम.ए.एच.आई.

एम.ए. (इतिहास)

सत्रीय कार्य

2024-2025

जुलाई 2024 और जनवरी 2025 सत्रों के लिए

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-109
भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढी, नई दिल्ली-110068

सत्रीय कार्य
एम.एच.आई.-109
भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन
जुलाई 2024 और जनवरी 2025 सत्रों के लिए

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपन शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय काय जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीय कार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीय कार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक **विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली** को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रीय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। सभी सत्रीय कार्यों को जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी-बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामशदाता की टिप्पणी और मूल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीय कार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीय कार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा। सत्रीय कार्य जमा करने की निर्धारित तिथियाँ नीचे सारणी में दी गई हैं:

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2024 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**31 मार्च, 2025**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2025 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितम्बर, 2025**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगेः

1) प्रत्येक **विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों** का उत्तर लगभग **500 शब्दों** में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए **20 अंक** निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक **लघु श्रेणी प्रश्नों** का उत्तर लगभग **250 शब्दों** में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगाः

क) **नियोजन** : सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन** : अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति** : जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्य जमा करने से पहल इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

शुभकामनााओं के साथ,
इतिहास संकाय

अध्यापक जाँच सत्रीय

एम.एच.आई.-109: भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-109

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-109/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2024-25

पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सत्रीय कार्य दो भागों क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. राष्ट्र और राष्ट्रवाद के उदय के बारे में आधुनिकतावादी और गैर-आधुनिकतावादी सिद्धान्तों की तुलना कीजिए। **20**

2. खिलाफत आन्दोलन की प्रकृति और असहयोग आन्दोलन में इसकी भूमिका की तुलना कीजिए। **20**

3. 1857 के विद्रोह पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

4. नागरिक अवज्ञा आन्दोलन की सफलताओं और विफलताओं का विश्लेषण कीजिए। **20**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) म** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

   क) भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन पर सबाल्टर्न अध्ययन के विचार

   ख) देशी रियासतों में राजनीतिक गोलबन्दी

   ग) स्वराज पार्टी के राजनीतिक विचार

   घ) 1937-39 के दौरान कांग्रेसी सरकारों की उपलब्धियाँ।

भाग-ख

6. भारत छोड़ो आन्दोलन की पृष्ठभूमि की विवेचना कीजिए। भारत छोड़ो आन्दोलन का क्या प्रभाव पड़ा? **20**

7. 1920 और 1930 के दशकों के दौरान यू.पी. और बिहार में राष्ट्रवाद और किसान आन्दोलनों के बीच के सम्बन्ध की विवेचना कीजिए। **20**

8. जन-गोलबन्दी का गांधीवादी तरीका किस प्रकार महिलाओं को सार्वजनिक जीवन में लाने में सफल रहा? **20**

9. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के विरासत की मुख्य शक्ति और कमजोरी का विश्लेषण कीजिए। **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

    क) संविधान सभा की भूमिका, 1946-49

    ख) पूना समझौता, 1932

    ग) आरम्भिक दौर में राष्ट्रवादी और मजूदर

    घ) पाकिस्तान की माँग और इसका प्रभाव।